भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 06 अगस्त, 2025
जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) अगले 24 घंटों के दौरान उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है और इसके बाद इसमें कमी आने की संभावना है।
ii) अगले 7 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और आसपास के पूर्वी भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, 8 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
iii) अगले 6-7 दिनों के दौरान मध्य भारत और राजस्थान में हल्की वर्षा की गतिविधियां होने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 06 अगस्त, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- ✓ उत्तराखंड, तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- ✓ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, गोवा, तमिलनाडु, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है; जम्मू और कश्मीर, उत्तरी हरियाणा, पूर्वी उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
  पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया अनुलग्नक I देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- ✓ मानसून द्रोणिका का पश्चिमी छोर समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के उत्तर में है और पूर्वी छोर हिमालय की तलहटी के पास से गुजरता है।
- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर बांग्लादेश के मध्य भागों के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण और निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर पूर्वोत्तर असम और उससे सटे अरुणाचल प्रदेश के ऊपर एक और चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण मध्य महाराष्ट्र के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण और रायलसीमा एवं आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक और चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तरी तमिलनाडु के पास दक्षिण-पश्चिम खाड़ी के ऊपर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक एवं आसपास के क्षेत्रों के ऊपर एक और चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ✓ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर पूर्व-मध्य अरब सागर के दक्षिणी भागों से दक्षिणी बंगाल की खाड़ी के मध्य भागों तक लगभग अक्षांश 12°N के साथ एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी हुई है।
- ✓ एक द्रोणिका रेखा उत्तरी उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में कच्छ के उत्तरी भागों तक बनी हुई है।
- ✓ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में हिमाचल प्रदेश और उससे सटे उत्तराखंड पर स्थित है।

- ✓ मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में पंजाब और आसपास के क्षेत्रों पर एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ, जिसके मध्य क्षोभमंडलीय स्तर में एक द्रोणिका ऊपरी भाग में है, मोटे तौर पर देशांतर 73° पूर्व से 32° उत्तर के उत्तर तक बनी हुई है।
- ✓ 08 अगस्त, 2025 के आसपास दक्षिण बांग्लादेश और आसपास के क्षेत्रों पर एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में 06 से 12 अगस्त; जम्मू-कश्मीर में 06 अगस्त को; पंजाब में 06 और 12 अगस्त को; हरियाणा में 06, 11 और 12 अगस्त को; पश्चिम उत्तर प्रदेश में 06, 08, 11 और 12 अगस्त को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 08, 11 और 12 अगस्त को भारी बारिश की संभावना है। उत्तराखंड में 06 अगस्त को और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 12 अगस्त को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 7 दिनों तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई स्थानों पर और मैदानी क्षेत्रों में कुछ/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- तमिलनाडु, केरल और माहे, कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा में 06 से 09 अगस्त तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। तमिलनाडु, केरल, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 06 अगस्त को और तटीय व दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 06 और 07 अगस्त को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 2 दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में तेज सतही हवाएँ (गति 40-50 किमी/घंटा) चलने की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक तमिलनाडु, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक, रायलसीमा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना में कुछ/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अरुणाचल प्रदेश में 08 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश (≥21 सेमी) की संभावना है।
- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 06 से 12 अगस्त तक कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 07 से 11 अगस्त तक और असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 07 और 08 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी और मध्य भारत:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में 06 से 12 अगस्त तक; ओडिशा, गंगा तटीय पश्चिम बंगाल में 06 से 08 अगस्त तक; झारखंड में 07 और 08 अगस्त को; छत्तीसगढ़ में 11 और 12 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। बिहार में 07 और 08 अगस्त को; झारखंड में 07 अगस्त को; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 07 और 11 अगस्त को बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक इस क्षेत्र में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और बिजली की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- मराठवाड़ा, कोंकण और गोवा में 06 से 08 अगस्त तक और मध्य महाराष्ट्र में 07 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5-6 दिनों तक इस क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 06 अगस्त से 11 अगस्त 2025 तक निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएँ:

- **अरब सागर:** केरल, कर्नाटक तट, लक्षद्वीप क्षेत्र, महाराष्ट्र, गोवा तट के साथ और उसके आसपास 06 अगस्त को; उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में ओमान तट के पास 08 से 10 अगस्त तक; दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; सोमालिया तट और आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 06 से 11 अगस्त तक न जाएं।
- **बंगाल की खाड़ी:** मन्नार की खाड़ी के कुछ हिस्सों में कोमोरिन क्षेत्र और श्रीलंका तट के पास, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में 06 से 11 अगस्त तक न जाएं।

ii. 06 से 09 अगस्त 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **उत्तराखंड**: हरिद्वार (जिला हरिद्वार) 22; नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टिहरी) 20; ऋषिकेश (जिला देहरादून) 19; काशीपुर (जिला उधम सिंह नगर) 18; जॉलीग्रांट (जिला देहरादून) 17; रोशनाबाद (जिला हरिद्वार), बागेश्वर (थ्मो) (जिला बागेश्वर) 16 प्रत्येक; पंतनगर (जिला उधम सिंह नगर), जसपुर (जिला उधम सिंह नगर) 15 प्रत्येक; हल्द्वानी (जिला नैनीताल), सोमेश्वर (जिला अल्मोड़ा) 14 प्रत्येक; नैनीताल (जिला नैनीताल), लक्सर (जिला हरिद्वार) 13 प्रत्येक; कोटद्वार (जिला गढ़वाल पौड़ी), मुक्तेश्वर (जिला नैनीताल), पौड़ी (जिला गढ़वाल पौड़ी), लोहारखेत (जिला बागेश्वर) 11 प्रत्येक; बेतालघाट (जिला नैनीताल), समा (जिला बागेश्वर), धनौल्टी (जिला गढ़वाल टिहरी), कपकोट (जिला बागेश्वर), गैरसैंन (जिला चमोली) 10 प्रत्येक; टिहरी (सीडब्ल्यूसी) (जिला गढ़वाल टिहरी), रुद्रप्रयाग (जिला रुद्रप्रयाग), देवप्रयाग (जिला गढ़वाल टिहरी), खटीमा (जिला उधम सिंह नगर), रुड़की (जिला हरिद्वार), श्रीनगर (जिला गढ़वाल पौड़ी) 9 प्रत्येक; लैंसडाउन (जिला गढ़वाल पौड़ी), देहरादून (जिला देहरादून), बेरीनाग (जिला पिथौरागढ़) 8 प्रत्येक; बनबासा (जिला चंपावत), कीर्तिनगर (जिला गढ़वाल टिहरी), लोहाघाट (जिला चंपावत), भगवानपुर (जिला हरिद्वार), चंपावत (जिला चंपावत), चौखुटिया (जिला अल्मोड़ा) 7 प्रत्येक;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश**: नगीना (जिला बिजनौर) 19; बहेरी (जिला बरेली), बिजनौर (जिला बिजनौर) 16 प्रत्येक; ठाकुरद्वारा (जिला मुरादाबाद) 15; नजीबाबाद (टी) (जिला बिजनौर) 14; कांठ (जिला मुरादाबाद), धामपुर (जिला बिजनौर) 11 प्रत्येक; चांदपुर (जिला बिजनौर) 9; बिलासपुर (जिला रामपुर) 8; मुरादाबाद (जिला मुरादाबाद), बरेली सीडब्ल्यूसी (जिला बरेली) 7 प्रत्येक;
- **उत्तर आंतरिक कर्नाटक**: विजयपुरा पीटीओ (जिला विजयपुरा) 15; लक्ष्मेश्वर (जिला गदग) 13; शिरहट्टी (जिला गदग), तवरगेरा (जिला कोप्पल) 9 प्रत्येक; गुलेदगुड (जिला बागलकोट), देवरहिप्परगी (जिला विजयपुरा), बेल्लट्टी (जिला गदग), लोकापुर (जिला बागलकोट), हुंगुंड (जिला बागलकोट), बीदर पीटीओ (जिला बीदर) 7 प्रत्येक;
- **हिमाचल प्रदेश**: कसौली (जिला सोलन) 14; धर्मपुर (जिला सोलन), गोहर (जिला मंडी) 12 प्रत्येक; चुहारी (जिला चंबा) 10; नैना दवी (जिला बिलासपुर), नगरोटा सूरियान (जिला कांगड़ा) 9 प्रत्येक; सुंदरनगर (जिला मंडी) 8; गुलर (जिला कांगड़ा), करसोग (जिला मंडी), बंजार (जिला कुल्लू), बिलासपुर सदर (जिला बिलासपुर), कांगड़ा एपी (जिला कांगड़ा) 7 प्रत्येक;
- **तटीय कर्नाटक**: मंकी (जिला उत्तर कन्नड़) 13; बेलथंगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 11; गेर्सोッパ (जिला उत्तर कन्नड़) 10; अंकोला (जिला उत्तर कन्नड़), सिद्धापुर (जिला उदुपी), कद्रा (जिला उत्तर कन्नड़) 7 प्रत्येक;
- **पंजाब**: घनौली (जिला रूपनगर) 12; बल्लोवाल सौंखरी (जिला एसबीएस नगर) 8; तिबरी (जिला गुरदासपुर), बलाचौर एडब्ल्यूएस (जिला एसबीएस नगर), गुरदासपुर एएमएफयू (जिला गुरदासपुर) 7 प्रत्येक;

- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: गैरकाटा टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 12; बक्सादुआर (जिला अलीपुरद्वार), बैंतगूरी टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी), दालगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 8 प्रत्येक; मेखलीगंज (जिला कूच बिहार), संकोश (जिला कूच बिहार), आनंदपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7 प्रत्येक;
- **कोंकण और गोवा**: मापुसा (जिला उत्तर गोवा) 12;
- **तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल**: आर.के.पेट (जिला तिरुवल्लुर) 12; सिंगमपुनारी (जिला शिवगंगा) 10; कोडुमुडी (जिला इरोड), तिरुपुवनम (जिला शिवगंगा) 8 प्रत्येक; इदयापट्टी (जिला मदुरै) 7;
- **मध्य महाराष्ट्र**: शोलापुर (जिला शोलापुर) 11;
- **दक्षिण आंतरिक कर्नाटक**: रामपुरा (जिला चित्रदुर्ग) 11; बालेहोन्नूर (जिला चिक्कमगलूरु) 9; कलासा (जिला चिक्कमगलूरु) 8; बेल्लूर (जिला मंड्या), हिरियूर एचएमएस (जिला चित्रदुर्ग), जयपुरा (जिला चिक्कमगलूरु), हगरीबोम्मनहल्ली (जिला विजयनगर) 7 प्रत्येक;
- **केरल और माहे**: वेल्लनिक्कारा (जिला त्रिशूर), थेन्नाला एडब्ल्यूएस (जिला मलप्पुरम) 11 प्रत्येक; वडक्कनचेरी (जिला त्रिशूर), अय्यंकुन्नु एडब्ल्यूएस (जिला कन्नूर) 10 प्रत्येक;
- **पूर्व उत्तर प्रदेश**: भिंगा (जिला श्रावस्ती) 10; देओगांव लालगंज (जिला आजमगढ़) 9;
- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा**: जिरानिया एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 10; एचआरसी नागीचेहरा एआरजी (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 9; साबरूम (जिला दक्षिण त्रिपुरा), साबरूम एडब्ल्यूएस (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 8 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय**: कामपुर (जिला नगांव) 10; बिजनी एआरजी (जिला चिरांग) 9;
- **बिहार**: ताइबपुर (जिला किशनगंज) 9; गलगलिया (जिला किशनगंज) 7;
- **रायलसीमा**: नंदवरम (जिला कुरनूल) 9; अलूर (जिला कुरनूल), चित्तूर (जिला चित्तूर) 8 प्रत्येक; गूटी (जिला अनंतपुरमु), गुंटकल (जिला अनंतपुरमु) 7 प्रत्येक;
- **तेलंगाना**: भुवनगिरी (जिला वाई. भुवनगिरी) 9; पोचमपल्ली (जिला वाई. भुवनगिरी) 8;
- **ओडिशा**: कोटपद (जिला कोरापुट) 9;
- **हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली**: दादूपुर (जिला यमुना नगर) 8; मोरनी (जिला पंचकुला) 7;
- **जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद**: उधमपुर (आईएएफ) (जिला उधमपुर) 7

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	6- Aug	7- Aug	8- Aug	9- Aug	10- Aug	11- Aug	12- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	WS
9	BIHAR	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	WS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
14	PUNJAB	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT
26	VIDARBHA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

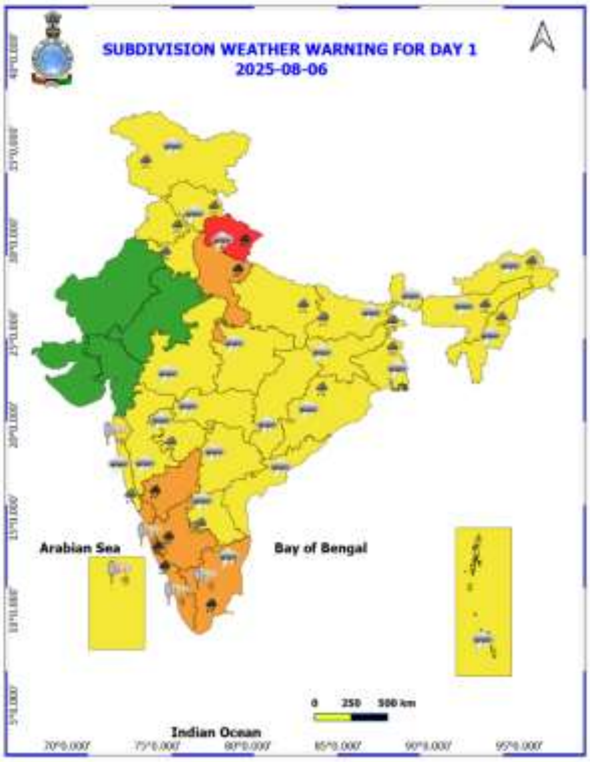
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-08-06
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

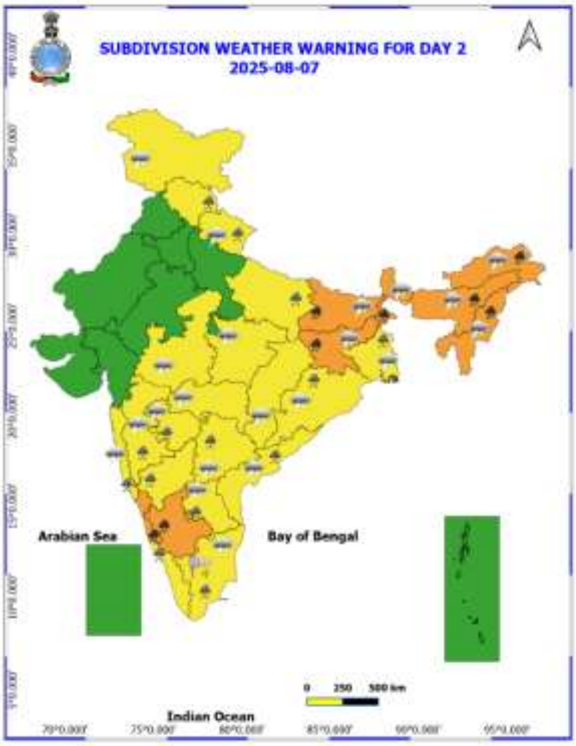
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-08-07
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

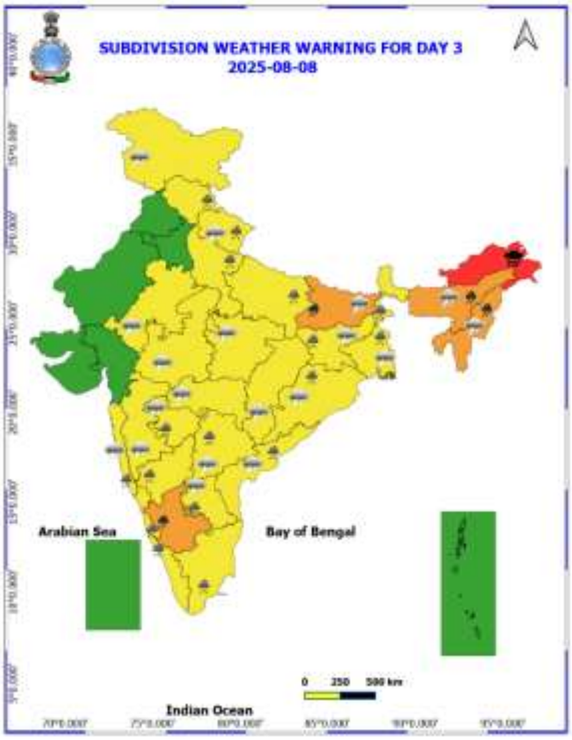
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-08-08
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

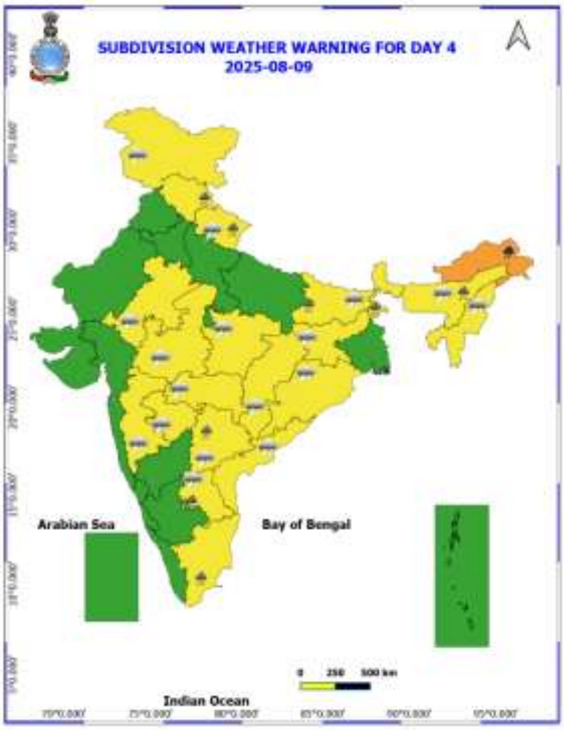

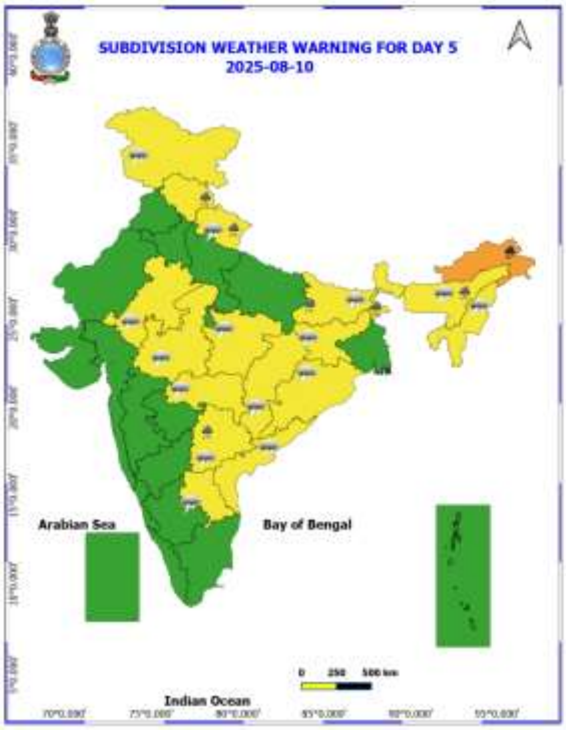

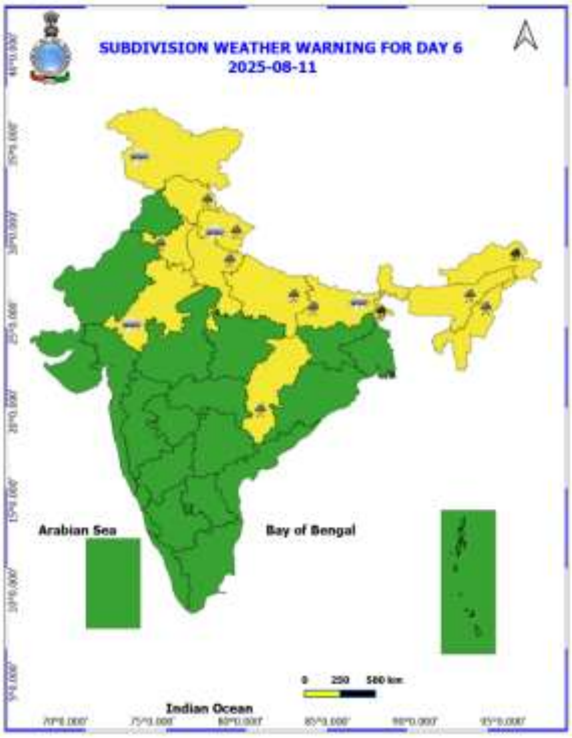

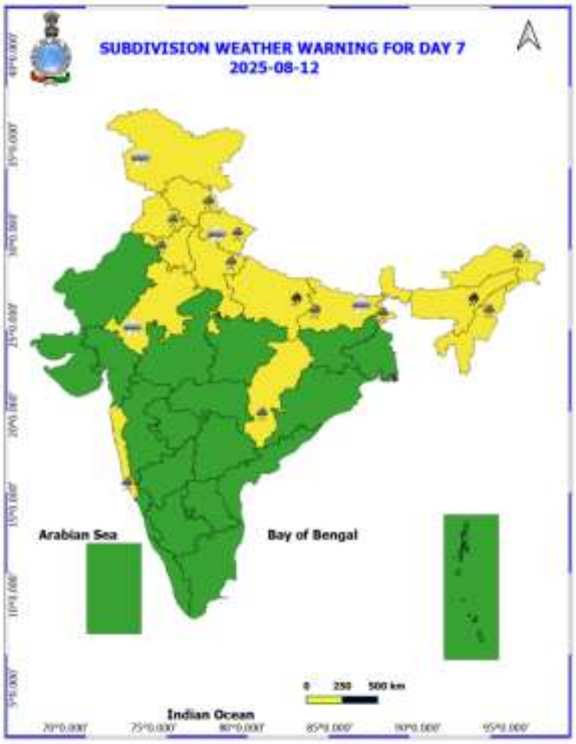

s

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 06 से 09 अगस्त 2025 के दौरान मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया। न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहा और अधिकतम तापमान 31 से 33°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहा जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 2 से 3°C नीचे रहा। इस दौरान आमतौर पर आकाश में बादल छाए रहे और सतही हवाएं दक्षिण-पश्चिम/दक्षिण-पूर्व दिशा से 14 किमी प्रति घंटा तक की गति से चलीं। आज पूर्वाह्न में क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

06.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33 से 35°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर में प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी। शाम और रात में हवाएं दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी प्रति घंटा की गति से चलेंगी।

07.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C अधिक रह सकता है। सुबह के समय प्रमुख सतही हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी, जो दोपहर में बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएंगी। शाम और रात में हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

08.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 33 से 35°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात में हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

09.08.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। बहुत हल्की से हल्की बारिश/गरज के साथ वर्षा की संभावना है। अधिकतम तापमान 32 से 34°C और न्यूनतम तापमान 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 3°C कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2°C कम रह सकता है। सुबह के समय हवाएं दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा से कम गति से चलेंगी। दोपहर में हवा की गति घटकर 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात में यह गति बढ़कर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

हल्की से मध्यम वर्षा और गरज-चमक के साथ बारिश के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- सावधान रहें और एहतियाती कदम उठाएं, क्योंकि गरज/बिजली गिरने की संभावना है।
- खड़ी फसलों को नुकसान, पेड़ों की टहनियों के टूटने से बिजली और संचार लाइनों को आंशिक से गंभीर नुकसान, कमजोर संरचनाओं को आंशिक क्षति, और ढीले सामान उड़ सकते हैं।
- लोगों को सलाह दी जाती है कि मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों की ओर जाएं। घर के अंदर रहें, खिड़की और दरवाजे बंद रखें, यात्रा से बचें यदि संभव हो, सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, कंक्रीट की ज़मीन पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से न लगें, विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करें, जल स्रोतों से तुरंत बाहर आ जाएं, और सभी विद्युत चालक वस्तुओं से दूर रहें।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ 08 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) होने की संभावना है।
- ❖ 06 अगस्त को उत्तराखंड, तमिलनाडु, केरल, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 06 और 07 को तटीय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में; 07-11 के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 07 और 08 को असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, बिहार में; 07 को झारखंड में; 07 और 11 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में और 12 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

❖ स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
❖ भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ **उत्तराखंड** में, **भाबर और तराई क्षेत्र** में उड़द, मूंग, और सोयाबीन की बुवाई भारी बारिश रुकने तक स्थगित कर दें और जलभराव से बचाव हेतु पहले से बोई गई / रोपी गई धान, गन्ना, मक्का, उड़द, मूंग, मूंगफली, अरहर, रागी, सोयाबीन और सब्जियों की फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। **उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में, खेतों से अतिरिक्त पानी निकलने तक धान की रोपाई न करें। यदि रोपे गए धान के खेतों में धान के पौधों को क्षति पहुंची है, तो पुराने पौधों के साथ देरी से या क्रमबद्ध तरीके से रोपण करें। यदि धान की फसल पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो गई है, तो उपयुक्त मिट्टी की नमी की स्थिति में कम अवधि वाली किस्मों का उपयोग करके सीधी बुवाई करें। धान, मूंग, उड़द, सनवा और रागी के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। **पहाड़ी क्षेत्र** में, सतही जल प्रवाह को रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत करें। मिट्टी में अत्यधिक नमी की स्थिति में मटर की बुवाई स्थगित कर दें। फसल के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें।
- ➢ **हिमाचल प्रदेश** में, **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में भारी वर्षा से होने वाले नुकसान को रोकने हेतु फूलगोभी की नर्सरी को प्लास्टिक शीट से ढक दें। **मध्य पर्वतीय उप-आर्द्र क्षेत्र** में मक्का, अदरक और सब्जियों के खेतों में; **उप-पर्वतीय और निम्न पर्वतीय उप-उष्णकटिबंधीय क्षेत्र** में धान, मक्का, दालों और सब्जियों के खेतों में तथा **उच्च पर्वतीय उप-शीतोष्ण आर्द्र क्षेत्र** में राजमा, रागी, खीरा और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ रखें।
- ➢ **उत्तर प्रदेश** में, **पश्चिमी मैदानी क्षेत्र** में अरहर की बुवाई स्थगित करें और धान, मक्का, उड़द, मूंग और सब्जियों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें। **मध्य मैदानी क्षेत्र** में, धान, मक्का, मूंगफली, तिल, उड़द, मूंग और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।

- **अरुणाचल प्रदेश** में, भारी बारिश बंद होने तक सभी फसलों की नई बुवाई और रोपाई स्थगित कर दें। लगभग पके हुए केले के गुच्छों की कटाई करें और उन्हें पकने के लिए सूखे और सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, रागी, सोयाबीन और सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। धान के खेतों में, खेत के कटाव और पौधों को बह जाने से रोकने हेतु मेड़ों को मज़बूत बनाएँ। भारी बारिश के दौरान फलदार पौधों को झुकने या टूटने से बचाने के लिए उन्हें मज़बूत सहारा प्रदान करें।
- **असम** में, जलभराव से बचाव हेतु, **निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** में साली धान, मूंग और अरहर के खेतों और केले के बागानों में; **उत्तरी तट के मैदानी क्षेत्र** में साली धान और गन्ने के खेतों में; **ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र** और **बराक घाटी क्षेत्र** में साली धान के खेतों में तथा **पहाड़ी क्षेत्र** में धान और तिल के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **बराक घाटी क्षेत्र** में, फूलगोभी की बुवाई स्थगित करें।
- **मेघालय** में, धान, मक्का, हल्दी, मिर्च, भिंडी और करेले के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। केला, पपीता, लौकी आदि जैसी लंबी और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।
- **नागालैंड** में, सतही जल अपवाह को नियंत्रित करने हेतु मक्के के खेतों में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ। धान के खेतों में अतिरिक्त जल की निकासी हेतु जल निकासी चैनलों को साफ रखें।
- **त्रिपुरा** में, धान, मिर्च और अदरक के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, **पहाड़ी क्षेत्र** में धान, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों तथा फलों के बागानों से और **तराई क्षेत्र** में अमन धान एवं सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु उचित व्यवस्था करें। **तराई क्षेत्र** में मिर्च के पौधों को भारी बारिश से बचाने हेतु उन्हें प्लास्टिक से ढक दें।
- **बिहार** में, **उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र** में प्याज, मिर्च और फूलगोभी की नर्सरी एवं मक्का जैसी खड़ी फसलों से तथा **उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र** में मक्का, रागी, कोदो, सावा, चीना आदि फसलों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- **केरल** में, धान, नारियल, केला और अदरक के खेतों में पर्याप्त जल निकासी की व्यवस्था करें। केले के बागानों को सहारा दें। सब्ज़ियों के पंडालों को मज़बूत बनाएँ।
- **तमिलनाडु** में, विशेष रूप से भारी मिट्टी और निचले इलाकों में, ज्वार के खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। जड़ सड़न से बचाव हेतु नारियल के पौधों के आस-पास उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **कर्नाटक** में, **तटीय क्षेत्र** में सुपारी और केले के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें। **दक्षिणी संक्रमण क्षेत्र** में, भारी वर्षा बंद होने तक धान की रोपाई न करें तथा अदरक, मक्का, रागी और रोपे गए धान के खेतों एवं सुपारी और नारियल के बागानों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। **दक्षिणी शुष्क क्षेत्र** में, विशेष रूप से धान, गन्ना और सब्ज़ियों के खेतों में जल निकासी चैनलों को साफ़ करें और उनका रखरखाव करें। केला, मक्का और सूरजमुखी जैसी ऊँची फसलों को टूटने या गिरने से बचाने हेतु उन्हें सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

आकस्मिक बाढ़ मार्गदर्शन:

07-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश - बिलासपुर, चंबा, हमीरपुर, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और ऊना जिले। उत्तराखंड - अल्मोड़ा, बागेश्वर, चमोली, चंपावत, देहरादून, हरिद्वार, नैनीताल, पौड़ी गढ़वाल, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, टिहरी गढ़वाल, उधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जिले। पश्चिमी उत्तर प्रदेश - बिजनौर, मेरठ, मुज़फ़्फ़रनगर, शामली और शरणपुर जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दिखाए गए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	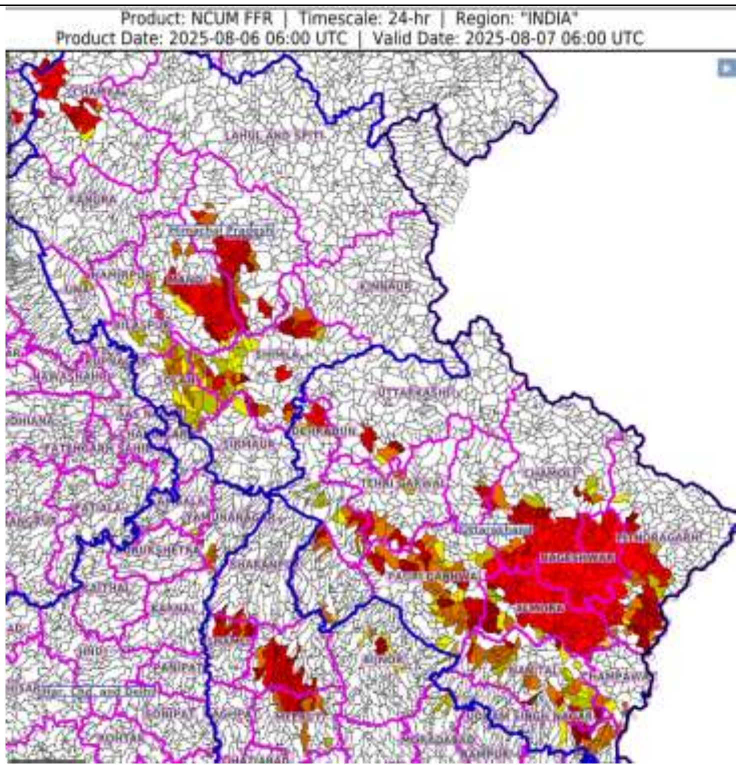
07-08-2025 को 11:30 IST तक आकस्मिक बाढ़ जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान: अगले 24 घंटों के दौरान निम्नलिखित मौसम उप-मंडलों के कुछ जलग्रहण क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में कम से मध्यम आकस्मिक बाढ़ का खतरा होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक - दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिले। केरल और माहे - अलप्पुझा, एर्नाकुलम, इडुक्की, कन्नूर, कासरगोड, कोल्लम, कोट्टयम, कोज़ीकोड, मलप्पुरम, पलक्कड़, पट्टानमित्तिया, तिरुवनंतपुरम, त्रिशूर और वायनाड जिले। अगले 24 घंटों में अपेक्षित वर्षा के कारण, मानचित्र में दर्शाए अनुसार, चिंताजनक क्षेत्र (AoC) के ऊपर कुछ पूरी तरह से संतृप्त मिट्टी और निचले इलाकों में सतही अपवाह/जलप्लावन हो सकता है।	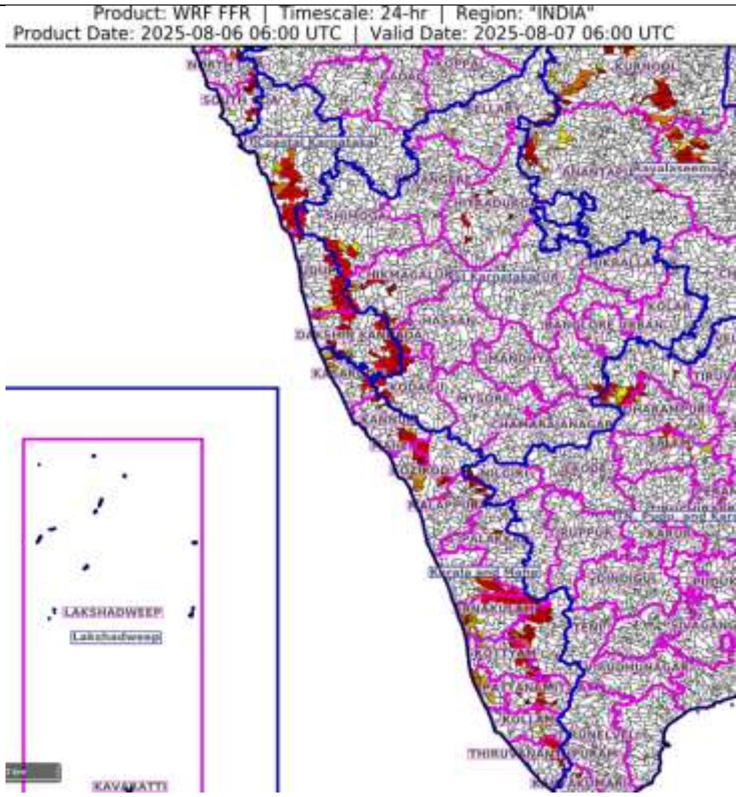

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिम भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

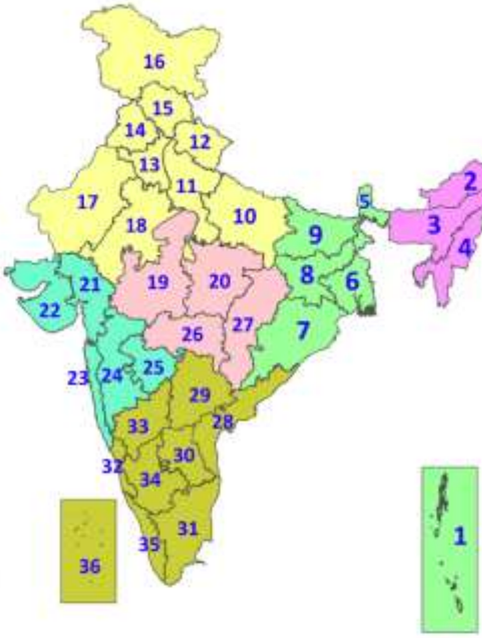

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)